प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 11 जुलाई 2017 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित ब्राउन हॉल में चिकित्सा विश्वविद्यालय के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य पर भारत सरकार द्वारा एक अच्छी पहल मिशन परिवार विकास योजना के अंतर्गत अन्तरा और छाया दो अस्थायी गर्भनिरोधक को जन समुदाय के बीच समर्पित किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि निदेशक, चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश प्रो0 के0के0 गुप्ता एवं चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो0 विनीता दास, विभागाध्यक्ष, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने बताया कि महिलाये डिलिवरी के बाद दो तरह की गर्भ निरोधकों का इस्तेमाल कर सकती है-

1- अन्तरा एक त्रैमासिक इन्जेक्शन है जो कि महिला को हर तीन महीने पर लगवानी है जब तक वह गर्भ धारण न करना चाहे। इन्जेक्शन बन्द करने के 6-8 महिने के अन्दर वह पुनः गर्भ धारण कर सकती है। यह एक लम्बे वक्त तक काम करने वाला प्रोजेस्टेरोन इन्जेक्शन है जिसका बहुत कम साईड इफेक्ट है। इस इंजेक्शन का दूध पिलाने वाली महिलाए भी प्रयोग कर सकती है। बच्चे के जन्म से तीसरे एवं छठे सप्ताह के अन्दर यह इन्जेक्शन लगाया जा सकता है। यह महिलाओं द्वारा अपनाये जाने वाला एक असरदार व गोपनीयता रखने वाला सुरक्षित इन्जेक्शन है।

2- छाया जों की हारमोन रहित अपने देश की लखनऊ की सी0डी0आर0आई0 की खोज सेन्टक्रोमैन नामक गर्भ निरोधक गोली है। यह काफी असरदार है। शुरू के तीन माह इसे सप्ताह में दो बार उसके बाद सप्ताह में एक बार ही खाने वाली गोली है। दूध पिलाने वाली महिलाए भी इसका प्रयोग कर सकती है। अन्य महिलाओं के साथ-साथ जो महिलाएं हारमोन का प्रयोग नही कर सकती है उन्हें यह गोली आसानी से दी जा सकती है।

इन दोनो उपायों को पूरे विश्व में अपनाया जा रहा है तथा भारत सरकार द्वारा भी इसे पूरे देश के सरकारी अस्पतालों मे मुफ्त में उपलब्ध कराया जा रहा है तथा इसके प्रशिक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने कहा आज विश्व जनसंख्या के अवसर पर अन्तरा और छाया गर्भनिरोधकों को पूरे देश में जन समुदाय के बीच लाया जा रहा है। वर्ष 1989-90 से विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन किया जा रहा है। भारत भौगोलिक दृष्टि से विश्व के 2.3 प्रतिशत भू-भाग पर फैला हुआ है और यहां की जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या की 18 प्रतिशत है। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करना बहुत ही कठिन कार्य है। आज पूरे विश्व की जनसंख्या करीब 600 करोड़ से ऊपर है, अकेले भारत की जनसंख्या 134 करोड़ है। आज जनसंख्या के मामले में चीन पूरे विश्व में पहले स्थान पर है किन्तु अगले सात साल में हम चीन को पीछे छोड़ते हुए नम्बर एक पर आ जायेंगे। इतनी बड़ी जनसंख्या को सुविधाये मुहैया कराना एक बहुत बड़ा चुनौती साबित होगा। सबसे बड़ी चुनौती इतनी बड़ी जनसंख्या के वेस्ट मैनेजमेण्ट की होगी। आज भारत की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत 25 वर्ष आयु वर्ग के लोग है। इतने युवा जनमानस के सुधार, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए बड़ी शक्ति बन सकते है। किन्तु जनसंख्या पर नियंत्रण नही किया जायेगा तो यह एक बड़ी समस्या बन सकती है। जनसंख्या नियंत्रण का सबसे बड़ा हथियार है शिक्षा और समाज के लोगो

की अर्थिक व्यवस्था में सुधार। अशिक्षा जनसंख्या का सबसे बड़ा कारण है। इन गर्भ निरोधको का उपाय कर के जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सकता है।

कार्यक्रम में SIFPSA की उप महा प्रबंधक डॉ0 रिन्कू श्रीवास्तव ने कहा कि भारत सरकार के मिशन परिवार विकास योजना के तहत आशा बहुवें जहां पर भी नई शादी होगी वहा जाकर अन्तरा और छाया और अन्य गर्भनिरोधक उपायों की जानकारी लोगो को देंगी और यह किट उपलब्ध करायेंगी। यह योजना देश के 7 राज्यों के कुल 145 जिलों मे चालाया जा रहा है जिसमे यू0पी0 के सबसे ज्यादा 57 जिले है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय स्थित क्वीन मेरी अस्पताल इसका टेक्निकल पार्टनर है।

कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 एस0एन0 शंखवार ने कहा कि यह जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए बहुत सुरक्षित तरीका है। इन उपायों को शिशु को दूध पिलाने वाली मातायें भी अपना सकती है।

कार्यक्रम में डॉ0 के0के0 गुप्ता ने कहा कि यह योजना पूरे प्रदेश में लागू हो रही है।

कार्यक्रम में महिलाओं को अन्तरा और छाया किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगो में चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 विजय कुमार, प्रो0 विनीता सिंह, प्रो0 स्मृति अग्रवाल, प्रो0 संदीप तिवारी, प्रो0 सुजाता सहित स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के संकाय सदस्य एवं छात्रयें और अन्य महिलायें उपस्थित रही।

(प्रो0 नर सिंह वर्मा)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेलह
दंत संकाय, केजीएमयू